निस्केयर
NISCAIR

अगस्त 2014

सम्पादक

प्रदीप शर्मा

सह सम्पादक

डा. बालक राम

प्रोडक्शन अधिकारी

सुप्रिया गुप्ता

एस. पी. सिंह

कला अधिकारी

नीरू विजन

योगेश कुमार आनंद

कम्पोज़िंग

मीरा देवी

वरिष्ठ बिक्री एवं विज्ञापन अधिकारी

परवेज़ अली खान

वरिष्ठ बिक्री एवं वितरण अधिकारी

लोकेश कुमार चोपड़ा

अगस्त 2014
विज्ञान प्रगति

अवैध व्यापार की गिरफ्त में विश्व धरोहर स्थल

हाल ही में दोहा, कतर में सम्पन्न 38वीं वार्षिक विश्व धरोहर समिति की बैठक में की गयी घोषणा के अनुसार, अवैध वन्यजीव व्यापार के अभूतपूर्व स्तर के कारण तंजानिया के 'सेलस गेम रिज़र्व' को 'खतरे में विश्व धरोहर' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। टिम बैडमैन (आई.यू.सी.एन. के विश्व धरोहर कार्यक्रम के निदेशक) का मानना है कि अवैध वन्यजीव व्यापार और हाथी का अवैध शिकार विशेष रूप से चिन्ताजनक बने हुए हैं तथा तंजानिया उन स्रोत देशों में से एक है जो कि इससे भारी प्रभावित है। वे आशा करते हैं कि सेलस को 'खतरे में विश्व धरोहर' की सूची में शामिल करना व तंजानिया की इस निर्णय के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करेगा जो कि तत्काल समस्या से निपटने में सहायक होगा। हाथी दांत और गैंडे के सींग की अंतर्राष्ट्रीय मांग होने के कारण सेलस में हाथी और गैंडे का अवैध शिकार बढ़ता जा रहा है जो कि अफ्रीका के बचे हुए बीहड़ों में से एक है। इस क्षेत्र में हाथियों की संख्या 2005 में 70,000 से घटकर 2013 में मात्र 13,000 रह गयी है। हाल ही के सर्वेक्षण के अनुसार, 1982 की तुलना में लगभग 90% की गिरावट विश्व धरोहर सूची में अंकित की गयी थी। सेलस के काले गैंडों की संख्या में भी प्रभावशाली रूप से गिरावट आई है।

आई.यू.सी.एन. की सिफारिश के बावजूद, थाइलैंड के 'डांग फायायैन-खाओ याई फॉरेस्ट कॉम्प्लेक्स' को खतरे की सूची में नहीं रखा गया है लेकिन अगले वर्ष संभव अभिलेख के लिए विचार किया जाएगा। हाल ही के वर्षों में, सुगन्धित लकड़ी और अन्य मूल्यवान लकड़ी की प्रजातियों की अवैध कटाई प्रभावशाली रूप से बढ़ रही है। यह पार्क अधिकारियों को इसे नियंत्रित करने के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है। अवैध कटाई सशस्त्र गिरोहों द्वारा की जाती है जिसमें अक्सर पार्क कर्मचारियों के साथ हिंसक मुठभेड़ शामिल हैं। यह क्षेत्र विश्व स्तर पर संकट में स्थित स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृपों के जीने तथा संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

दोहा में हुई बैठक में यह भी चर्चा की गयी कि ऑस्ट्रेलिया का 'ग्रेट बैरियर रीफ' बहुत से संकटों जैसे पानी की गुणवत्ता का प्रभाव, जलवायु परिवर्तन और तटीय विकास के प्रस्ताव आदि का सामना कर रहा है। इस क्षेत्र को 2015 में विश्व धरोहर संकट सूची में शामिल किया जाएगा। टिम बैडमैन समझते हैं कि हालांकि ग्रेट बैरियर रीफ के संकटों को लेकर काफी चिंता है और ऑस्ट्रेलिया द्वारा की गयी सकारात्मक कार्यवाही का स्वागत है जो कि लम्बी अवधि के लिए ग्रेट बैरियर रीफ के संरक्षण के लिए एक प्रमुख योजना है। यह सभी विश्व धरोहर स्थलों की सबसे प्रतिष्ठित धरोहर है और धरोहर समिति का निर्णय इसकी सुरक्षा के लिए एक असाधारण स्तर का संकेत करता है। यह लागातार चौथा वर्ष है जब प्रमुख बांध निर्माण और बड़े पैमाने पर सिंचाई योजनाओं के विकास के कारण इस क्षेत्र को संकटग्रस्त सूची में रखा गया है। इन परिवर्तनों के कारण न केवल प्राकृतिक संसाधन अपितु स्थानीय समाज भी खतरे में हैं।

मूल्य
एक अंक : 30.00 रुपये
एक वर्ष : 300.00 रुपये
दो वर्ष : 570.00 रुपये
तीन वर्ष : 810.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता : 90$

शिकायत : 25841647
ई-मेल : lkc@niscair.res.in

सम्पादकीय : 25846301, 04-07/370; 25841769
प्रोडक्शन : 25847353, 25846301, 04-07/217, 337
विज्ञापन : 25845359, बिक्री : 25841647, 25846301, 04-07/335, 295 फैक्स : 25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
लेखकों के कथनों और मतों के लिये सी एस आई आर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है। पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।